भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1185

उत्तर देने की तारीख: 10.02.2020

महाराष्ट्र में जवाहर नवोदय विद्यालय और केन्द्रीय विद्यालय

†1185. डॉ. भारतीय प्रवीण पवारः

डॉ. सुजय विखे पाटीलः

श्री भागीरथ चौधरीः

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणेः

श्री हेमन्त पाटिलः

श्री विनायक भाऊराव राऊतः

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदेः

श्री रंजीतसिन्हा हिंदुराव नाईक निम्बालकरः

श्री ओम पवन राजेनिंबालकरः

श्री मनोज कोटकः

श्री पशुपति नाथ सिंहः

श्री सदाशिव किसान लोखंडेः

श्रीमती अन्नपुर्णा देवीः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकारी ने हाल ही में देश में केन्द्रीय विद्यालयों के कामकाज की समीक्षा की है और यदि हां, तो तत्संबंधी समीक्षा का ब्यौरा क्या है और इसके परिणाम क्या हैं तथा सभी राज्यों में कार्य कर रहे केन्द्रीय विद्यालयों की संख्या का महाराष्ट्र सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र और झारखंड सहित विभिन्न राज्यों में खोले गए केन्द्रीय विद्यालयों की स्थान-वार संख्या कितनी है और वर्तमान योजना की शेष अवधि के दौरान खोले जाने वाले संभावित केन्द्रीय विद्यालयों का ब्यौरा क्या है;

(ग) महाराष्ट्र सहित देश में केन्द्रीय विद्यालयों के लिए भवनों की स्थापना/निर्माण का ब्यौरा क्या है और उक्त अवधि के दौरान इस प्रयोजन हेतु वर्ष/राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितनी निधि आबंटित की गई है;
(घ) क्या नए केन्द्रीय विद्यालयों की स्थापना हेतु भूमि की उपलब्धता एक बड़ी समस्या है और सरकार के पास नए केन्द्रीय विद्यालयों की स्थापना हेतु कई अनुरोध लंबित हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है;

(ङ) क्या सरकार का महाराष्ट्र में जवाहर नवोदय विद्यालयों की संख्या बढ़ाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और
(च) देश के पिछड़े और जरूरतमंद क्षेत्रों में केन्द्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालयों को खोलने के लिए सरकार द्वारा क्या योजना तैयार की जा रही है/प्रस्तावित की गई है?

उत्तर
मानव संसाधन विकास मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क): केन्द्रीय विद्यालय (केवी) के कामकाज की समीक्षा केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) जो मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है, द्वारा की जाती है जो केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना और प्रबंधन के लिए उत्तरदायी है। केवीएस के कार्य की मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नियमित रूप से समीक्षा और निगरानी की जाती है। कार्य क्षमता की निगरानी के लिए मुख्य परिणाम क्षेत्रों के साथ वार्षिक कार्य योजना और मध्यम अवधि की रणनीतिक योजना तैयार की जाती है। केवीएस का निष्पादन संसद को प्रत्येक वर्ष उसकी वार्षिक रिपोर्टों और लेखा परीक्षित विवरणों के माध्यम से सूचित किया जाता है।

आज की तारीख तक, देश में 1225 केवी (महाराष्ट्र राज्य में 59 सहित) कार्य कर रहे हैं। राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण **संलग्नक-I** पर हैं।

(ख) पिछले 3 वर्षों के दौरान यानी 2016-17, 2017-18, 2018-19 और वर्तमान वर्ष के दौरान 104 केवी (महाराष्ट्र में 02 और झारखंड में 07) खोले गए हैं। राज्य/केन्द्र शासित प्रदेशों का विवरण **संलग्नक- II** में दिया गया है।

भारत सरकार ने अगस्त, 2018 में 13 नए केवी और मार्च, 2019 में 50 नए केवी को स्वीकृति दी थी। इनमें से अब तक 36 केवी खोले जा चुके हैं और शुरू किये हैं। शेष 27 मामलों में, संबंधित

प्रायोजन अधिकारियों को केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के पक्ष में चिन्हित/सीमांकित भूमि को अंतरित करना और केवि खोलने के लिए प्रशासनिक आदेशों से पहले अस्थायी भवन के कब्जे को भी अंतरित करना अपेक्षित है। राज्य/संघ राज्य-वार विवरण **संलग्नक-III** पर हैं।

(ग) पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान विभिन्न राज्यों (महाराष्ट्र सहित) में 79 केवी भवनों का निर्माण किया गया है। राज्य/केन्द्र शासित प्रदेशों का विवरण **संलग्नक-IV** पर है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के लिए निर्माण संबंधी गतिविधियों हेतु आवंटित धन इस प्रकार हैं:

(करोड़ रूपए में)

वर्ष	बजट आवंटन
2016-17	476.73
2017-18	674.24
2018-19	231.35
बी.ई. 2019-20	143.90

धन का आवंटन राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार नहीं किया जाता है।

(घ) नए केन्द्रीय विद्यालयों को खोलने के लिए, अनिवार्य आवश्यकताओं में से एक नि:शुल्क भूमि की उपलब्धता है जिसे निर्धारित प्रोफार्मा में प्रस्ताव प्रस्तुत कर प्रायोजन प्राधिकरणों द्वारा प्रदान किया जाता है। केवीएस ने सूचित किया है कि निर्धारित प्रोफार्मा में विभिन्न प्रायोजित प्राधिकारियों से 118 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं जिसमें से केवल 18 प्रस्ताव केवीएस के मानदंडों के अनुसार पूर्वापेक्षाएं पूरी करते पाए गए हैं। शेष प्रस्तावों को विसंगतियों को दूर करने के लिए संबंधित प्रायोजक अधिकारियों को वापस भेज दिया गया है।

(ड.) और (च): नवोदय विद्यालय योजना देश के प्रत्येक जिले में एक (जेएनवि) खोलने का प्रावधान करती है। महाराष्ट्र राज्य के सभी जिले नवोदय विद्यालय योजना (मुंबई शहर और मुंबई उपनगर को छोड़कर जो शहरी जिले हैं) के अंतर्गत आते हैं। नए जेएनवी को खोलना एक सतत प्रक्रिया है जो संबंधित राज्य सरकार/केंद्रशासित प्रदेश की सहमति पर निर्भर करती है कि वह अपेक्षित उपयुक्त भूमि नि: शुल्क उपलब्ध कराए और विद्यालय चलाने के स्थायी भवन के निर्माण तक नि:शुल्क आवश्यक अस्थायी भवन उपलब्ध कराए। हालांकि, नए जेएनवी की वास्तविक मंजूरी और नए जेएनवि खोला जाना सक्षम प्राधिकारी द्वारा धन की उपलब्धता और अनुमोदन पर निर्भर करता है।

केंद्रीय विद्यालय मुख्य रूप से भारत सरकार/राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन के लिए मंत्रालयों/विभागों में निर्धारित प्रोफार्मा में प्रस्ताव प्राप्त होने पर रक्षा कर्मियों सहित स्थानांतरणीय केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खोले जाते हैं। एक नया केवी स्थापित करने के लिए अपेक्षित संसाधन और सरकार के आवश्यक अनुमोदन की उपलब्धता नए केवी खोलने के लिए विभिन्न प्रायोजन प्राधिकारियों से प्राप्त प्रस्तावों को भी "चुनौती पद्धति" के तहत अन्य प्रस्तावों से प्रतिस्पर्धा भी करनी होती है।

*****

संलग्नक-।

''महाराष्ट्र में जवाहर नवोदय विद्यालय और केन्द्रीय विद्यालय'' के संबंध में माननीय संसद सदस्य डॉ. भारतीय प्रवीण पवार, डॉ. सुजय विखे पाटील, श्री भागीरथ चौधरी, श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे, श्री हेमन्त पाटिल, श्री विनायक भाऊराव राऊत, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री रंजीतसिन्हा हिंदुराव नाईक निम्बालकर, श्री ओम पवन राजेनिंबालकर, श्री मनोज कोटक, श्री पशुपति नाथ सिंह, श्री सदाशिव किसान लोखंडे और श्रीमती अन्नपुर्णा देवी द्वारा दिनांक 10.02.2020 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1185 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित संलग्नक।

देश में केंद्रीय विद्यालय की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र वार संख्या (तिथि के अनुसार)

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	केवी की संख्या
1	अंडमान और निकोबार	02
2	आंध्र प्रदेश	35
3	अरुणाचल प्रदेश	17
4	असम	58
5	बिहार	48
6	चंडीगढ़	05
7	छत्तीसगढ़	35
8	दादरा और नगर हवेली	01
9	दमन और दीव	01
10	दिल्ली	46
11	गोवा	05
12	गुजरात	45
13	हरियाणा	34
14	हिमाचल प्रदेश	25
15	जम्मू और कश्मीर	36
16	झारखंड	39
17	कर्नाटक	51
18	केरल	38
19	लक्षद्वीप	01
20	लद्दाख	03
21	मध्य प्रदेश	110
22	महाराष्ट्र	59
23	मणिपुर	09
24	मेघालय	07
25	मिजोरम	04
26	नगालैंड	06
27	ओडिशा	62
28	पुडुचेरी	04
29	पंजाब	50
30	राजस्थान	76
31	सिक्किम	02
32	तमिलनाडु	43

33	तेलंगाना	35
34	त्रिपुरा	09
35	उत्तर प्रदेश	118
36	उत्तराखंड	44
37	पश्चिम बंगाल	62
कुल		**1225**

*****

संलग्नक-।।

''महाराष्ट्र में जवाहर नवोदय विद्यालय और केन्द्रीय विद्यालय'' के संबंध में माननीय संसद सदस्य डॉ. भारतीय प्रवीण पवार, डॉ. सुजय विखे पाटील, श्री भागीरथ चौधरी, श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे, श्री हेमन्त पाटिल, श्री विनायक भाऊराव राऊत, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री रंजीतसिन्हा हिंदुराव नाईक निम्बालकर, श्री ओम पवन राजेनिंबालकर, श्री मनोज कोटक, श्री पशुपति नाथ सिंह, श्री सदाशिव किसान लोखंडे और श्रीमती अन्नपुर्णा देवी द्वारा दिनांक 10.02.2020 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1185 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित संलग्नक।

वर्ष 2016-17, 2017-18, 2018-19 और वर्तमान वर्ष के दौरान देश में खोले गए केवी का विवरण (तिथि के अनुसार)

क्र.सं.	राज्य/केन्द्र शासित प्रदेशों	पिछले 3 वर्षों और चालू वर्ष के दौरान केवि की संख्या			
		2016 - 17	2017 - 18	2018 - 19	2019 - 20
1	आंध्र प्रदेश	2	2	-	2
2	अरुणाचल प्रदेश	-	1	-	2
3	असम	-	1	-	2
4	बिहार	-	-	1	-
5	छत्तीसगढ़	-	6	-	1
6	दिल्ली	-	1	-	1
7	गुजरात	-	1	-	-
8	हरियाणा	2	3	-	2
9	हिमाचल प्रदेश	1	-	-	-
10	जम्मू और कश्मीर	-	1	-	1
1 1	झारखंड	-	5	-	2
12	कर्नाटक	-	2	3	1
13	केरल	-	1	1	-
14	मध्य प्रदेश	4	6	2	4
15	महाराष्ट्र	-	-	2	-
16	मणिपुर	-	-	1	-
17	नगालैंड	-	1	-	-
18	ओडिशा	2	3	-	2

19	पंजाब	-	1	-	-
20	राजस्थान	-	4	2	1
21	तमिलनाडु	1	-	-	1
22	तेलंगाना	1	1	2	-
23	उत्तर प्रदेश	1	1	2	6
24	उत्तराखंड	-	-	-	1
25	पश्चिम बंगाल	-	2	-	2
कुल		**14**	**43**	**16**	**31**

*****

संलग्नक-।।।

''महाराष्ट्र में जवाहर नवोदय विद्यालय और केन्द्रीय विद्यालय'' के संबंध में माननीय संसद सदस्य डॉ॰ भारतीय प्रवीण पवार, डॉ॰ सुजय विखे पाटील, श्री भागीरथ चौधरी, श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे, श्री हेमन्त पाटिल, श्री विनायक भाऊराव राऊत, डॉ॰ श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री रंजीतसिन्हा हिंदुराव नाईक निम्बालकर, श्री ओम पवन राजेनिंबालकर, श्री मनोज कोटक, श्री पशुपति नाथ सिंह, श्री सदाशिव किसान लोखंडे और श्रीमती अन्नपुर्णा देवी द्वारा दिनांक 10.02.2020 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1185 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित संलग्नक।

राज्य/संघ शासित प्रदेशों के 27 मामलों का विवरण, जिनके लिए संबंधित प्रायोजक प्राधिकारियों को चिन्हित/निर्दिष्ट भूमि अंतरित की जानी है और अस्थायी भवन का कब्जा सौंपा जाना है।

क्र.सं.	राज्य / केन्द्र शासित प्रदेशों	केन्द्रीय विद्यालय का नाम
1	अरुणाचल प्रदेश	हेलंग
2	बिहार	नवादा (एलडब्ल्यूई), देवकुंड, 205 कोबरा सीआरपीएफ बटालियन (बाराचट्टी) (एलडब्ल्यूई) और 45 वें बटालियन एसएसबी (बीरपुर)।
3	छत्तीसगढ़	कोंडागांव (एलडब्ल्यूई)।
4	हरियाणा	बिलासपुर।
5	हिमाचल प्रदेश	धरमपुर।
6	जम्मू और कश्मीर	गंडोह भालेसा।
7	झारखंड	पलामू (एलडब्ल्यूई) और एसईआर डांगापोसी।
8	कर्नाटक	सदालगा
9	केरल	थिरक्कारा

10	मध्य प्रदेश	अलीराजपुर
1 1	महाराष्ट्र	गढ़चिरौली (एलडब्ल्यूई)
12	ओडिशा	चंपुआ और चतरपुर
13	राजस्थान	प्रतापगढ़।
14	तमिलनाडु	बीएसएफ कैंपस (किट्टमपलायम), आईटीबीपी इदायापट्टी और आईटीबीपी शिवगंगई।
15	त्रिपुरा	बीएसएफ गोकुलनगर
16	उत्तर प्रदेश	बांदा, 59 वें बीएन एसएसबी (नानपारा), मधुपुरी और सुमेरपुर
17	उत्तराखंड	5वां बीएन एसएसबी (चंपावत)

*****

संलग्नक-Iv

''महाराष्ट्र में जवाहर नवोदय विद्यालय और केन्द्रीय विद्यालय'' के संबंध में माननीय संसद सदस्य डॉ॰ भारतीय प्रवीण पवार, डॉ॰ सुजय विखे पाटील, श्री भागीरथ चौधरी, श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे, श्री हेमन्त पाटिल, श्री विनायक भाऊराव राऊत, डॉ॰ श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री रंजीतसिन्हा हिंदुराव नाईक निम्बालकर, श्री ओम पवन राजेनिंबालकर, श्री मनोज कोटक, श्री पशुपति नाथ सिंह, श्री सदाशिव किसान लोखंडे और श्रीमती अन्नपुर्णा देवी द्वारा दिनांक 10.02.2020 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1185 के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित संलग्नक।

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान देश में केवी के भवनों के निर्माण का विवरण

क्र.सं.	**राज्य / केन्द्र शासित प्रदेशों**	**पिछले 3 वर्षों और चालू वर्ष के दौरान निर्मित केवी भवनों की संख्या**			
		2016 - 17	**2017 - 18**	**2018 - 19**	**2019 - 20 (दिसंबर 2019 तक)**
1	आंध्र प्रदेश	-	-	1	-
2	अरुणाचल प्रदेश	1	-	-	-
3	असम	1	-	3	1
4	बिहार	-	1	4	-
5	छत्तीसगढ़	1	-	3	1
6	दिल्ली	1	-	1	-
7	गुजरात	-	-	3	-
8	हरियाणा	-	1	-	-
9	जम्मू और कश्मीर	-	-	2	-
10	झारखंड	1	2	1	-
1 1	कर्नाटक	2	2	2	-
12	केरल	-	2	1	-
13	मध्य प्रदेश	2	-	5	2
14	महाराष्ट्र	-	-	1	-
15	ओडिशा	4	1	1	-
16	पंजाब	1	2	-	-
17	राजस्थान	1	2	-	-
18	तमिलनाडु	1	-	-	1
19	तेलंगाना	-	1	-	1
20	उत्तर प्रदेश	2	5	2	-
21	उत्तराखंड	1	1	1	-
22	पश्चिम बंगाल	1	-	2	-
कुल		**20**	**20**	**33**	**6**

*****